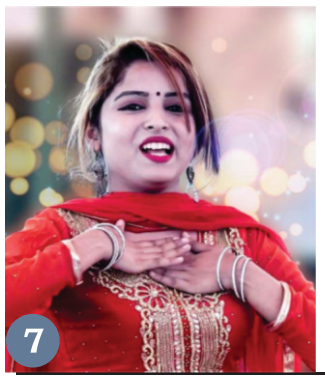

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 'अभ्युदय' कार्यक्रम का आगाज

5 उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए खुशखबरी

8 अश्विन को मिली खास कैप

UPHIN51019 | वर्षः 01, अंकः 33 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 11 मार्च, 2024

गोरखपुर में महाशिवरात्रि पर सीएम योगी ने किया जलाभिषेक रुद्राभिषेक, प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की प्रार्थना की

महाशिवरात्रि पर भरोहिया स्थित पितेश्वरनाथ शिव मंदिर में सीएम ने किया दर्शन–पूजन मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर में गो दुग्ध और गन्ने के रस से रुद्राभिषेक किया

गोरखपुर। महाशिवरात्रि पर मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने भरोहिया के पितेश्वरनाथशिव मंदिर में जलाभिषेक तथा गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की।

सीएम योगी शुक्रवार को सुबह लखनऊ से पीपीगंज के भरोहिया स्थित पितेश्वरनाथ शिव मंदिर पहुंचे। यहां बाबा पितेश्वरनाथ का दर्शन, पूजन व विधि विधान से जलाभिषेक कर सम्पूर्ण मानव जाति के कल्याण, सुख–समृद्धि एवं शांति की प्रार्थना की। पांडवकालीन मान्यता वाले पितेश्वरनाथ मंदिर का गोरक्षपीठ से गहरा नाता है। गोरक्षपीठाधीश्वर हर महाशिवरात्रि यहां जलाभिषेक करने आते हैं।

जलाभिषेक करने के बाद मुख्यमंत्री ने भरोहिया में शिव मंदिर के सामने स्थित गुरु गोरखनाथ विद्यापीठ के परिसर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और लोगों से मुलाकात की। बच्चों का प्यार से माथा सहला कर आशीर्वाद दिया। कुछ लोगों से हंसी ठिठोली भी की।

स्थानीय स्तर पर विकास से जुड़े कुछ मामलों पर उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि विकास में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। भरोहिया में मुख्यमंत्री के आगमन पर विधायक फतेह बहादुर सिंह, भरोहिया के ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि संजय सिंह, जंगल कौड़िया के ब्लॉक प्रमुख बृजेश यादव, गोरख सिंह समेत कई लोग मौजूद रहे।

इसके बाद भरोहिया से गोरखनाथ मंदिर पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सबसे पहले गुरु गोरखनाथ का दर्शन–पूजन किया। अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर शीश झुकाकर उन्हें नमन किया। इसके बाद गोरखनाथ मंदिर परिसर में मठ के प्रथम तल पर स्थित शक्ति मंदिर में उन्होंने भगवान भोले शंकर का दुग्ध, दही, घी, मधु और शर्करा से पंच स्नान तथा गो दुग्ध और गन्ने के रस से रुद्राभिषेक किया। मठ के पुरोहित एवं वेदपाठी ब्राह्मणों ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कराया। रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री ने हवन तथा आरती कर चराचर जगत के कल्याण हेतु महादेव शिव से प्रार्थना की।

सीएम योगी शुक्रवार को सुबह लखनऊ से गोरखपुर जिले में पीपीगंज के भरोहिया स्थित पितेश्वरनाथ शिव मंदिर पहुंचे। यहां बाबा पितेश्वरनाथ का दर्शन पूजन व विधि विधान से जलाभिषेक कर सम्पूर्ण मानव जाति के कल्याण सुख–समृद्धि एवं शांति की प्रार्थना की। पांडवकालीन मान्यता वाले पितेश्वरनाथ मंदिर का गोरक्षपीठ से गहरा नाता है। गोरक्षपीठाधीश्वर हर महाशिवरात्रि यहां जलाभिषेक करने आते हैं।

यूपी में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में एक और फर्जीवाड़ा

महिला लाभार्थी की पोल खुलने पर रोकी गई धनराशि

,संवाद सहयोगी, महाराजपुर। सरसौल में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में शामिल एक और लाभार्थी का फर्जीवाड़ा सामने आया है। लाभ पाने के लिए महिला ने दोबारा शादी की और उपहार लेकर घर चली गई। गुरुवार को ग्राम पंचायत सचिव ने जांच की तो हकीकत सामने आई। योजना के तहत दी जाने वाली 35 हजार की राशि जारी करने पर रोक लगा दी गई है। वहीं, उपहार वापस कराने को अधिकारी लाभार्थी पर दबाव बना रहे हैं।

सरसौल में रामनगर निवासी महिला ने तथ्य छिपाकर मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में दोबारा शादी कर ली थी। उपहार देकर विदा कर दिया गया था। बाद में शादी निरस्त कर उपहार वापस लाए गए थे। वहीं गुरुवार को एक और मामला पकड़ में आया। महाराजपुर निवासी महिला ने भी बुधवार को दोबारा शादी की थी और उपहार लेकर घर चली गई।

पोल खुली तो 35 हजार की राशि जारी करने पर लगाई गई रोक

गुरुवार को ग्राम पंचायत सचिव ओमकार की जांच में पोल खुली तो शासन से दी जाने वाली 35 हजार की धनराशि रोक दी गई। ग्राम पंचायत सचिव ने बताया कि महिला पहले से शादीशुदा है। तथ्य छिपाकर उसने बुधवार को दोबारा शादी कर ली। अपात्र पाए जाने पर धनराशि पर रोक लगा दी गई है। उपहार वापस लेकर शादी निरस्त कराई जाएगी।

महाशिवरात्रि पर शिवभक्तों से पट गया महादेवा

रात भर चला जलाभिषेक, गूंज रहा हर हर महादेव

लखनऊ। बाराबंकी के महादेवा मंदिर में पूरी रात जलाभिषेक चलता रहा। यहां लगे पारंपरिक शिवरात्रि मेले में भी भारी भीड़ है। हैदरगढ़ के और अवशानेशर, कस्बा सिद्धौर स्थित सिद्धेश्वर, खसपरिया के मत्थेश्वर, शहर के श्री नागेश्वर महादेव, कैलाश आश्रम के श्री चंदेश्वर महादेव मंदिर में सुबह से शिव भक्तों का तांता नहीं टूट रहा है। बाराबंकी जिले की रामनगर तहसील क्षेत्र में स्थित पौराणिक तीर्थ स्थल श्री लोधेश्वर महादेवा में शिवभक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा है। महाशिवरात्रि के मौके पर मंदिर के कपाट नहीं बंद किए गए और पूरी रात जलाभिषेक चलता रहा। सुबह 3:00 के बाद भीड़ इतनी बढ़ गई कि मंदिर से लेकर मुख्य सड़क तक श्रद्धालुओं की कतार लग गई।

अपने आराध्य को जल गंगाजल, शहद, पुष्प, दूध, दही, फल और मिष्ठान अर्पित करने के लिए श्रद्धालु भक्ति भाव से महादेवा में मौजूद है और हर हर महादेव का उद्घोष कर रहे हैं। एक लाख से अधिक श्रद्धालु रात से लेकर सुबह तक जलाभिषेक कर चुके हैं। वहीं, यहां लगे पारंपरिक शिवरात्रि मेले में भी भारी भीड़ है।

रामनगर कस्बे से महादेवा की ओर जाने वाली सड़क पर केवल श्रद्धालु ही दिख रहे हैं। पुलिस के आला अफसर मौके पर कैंप कर रहे हैं। सीसीटीवी कैमरा से पूरे मेला परिसर की निगरानी की जा रही है।

उधर, हैदरगढ़ के और अवशानेशर, कस्बा सिद्धौर स्थित सिद्धेश्वर, खसपरिया के मत्थेश्वर, शहर के श्री नागेश्वर महादेव, कैलाश आश्रम के श्री चंदेश्वर महादेव मंदिर में सुबह से शिव भक्तों का तांता नहीं टूट रहा है। विभिन्न जगहों पर शिवरात्रि को लेकर भंडारों का आयोजन भी हो किया जा रहा है। वहीं रात को शहर में शिव बारात के आयोजन को लेकर तैयारियां पूरी हो गई हैं। इसे लेकर शहर में लगने वाली सट्टी बाजार भी रद्द कर दी गई। एसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि शिव भक्तों को कोई परेशानी ना हो इसके लिए हाईवे और सभी प्रमुख मंदिरों पर पुलिस बल तैनात है।

सम्पादकीय

महिला सशक्तीकरण पर बेईमान रवैया

देश एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के आयोजनों का साक्षी बनने के लिए तैयार हो चुका है

देश एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के आयोजनों का साक्षी बनने के लिए तैयार हो चुका है। सरकारी, गैर–सरकारी संस्थानों में महिलाओं का सम्मान करने के लिए कार्यक्रम किए होंगे। पत्र–पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित होंगे, जिनमें भारत में स्त्रियों को देवी का दर्जा दिए जाने की महान परंपरा की बातें होंगी। 21वीं सदी में देश में सेना, विज्ञान, शिक्षा, खेल–कूद, कारोबार, कला–संस्कृति हर क्षेत्र में महिलाओं ने कितनी उन्नति की है, इसके उदाहरण पेश किए जाएंगे। महिला राष्ट्रपति से लेकर विभिन्न किस्म के उच्च पदों पर बैठी महिलाओं की जीवनगाथाएं प्रस्तुत होंगी। हर साल यही सब होता आया है और आगे भी होता रहेगा। स्त्री शक्ति को रेखांकित करते ऐसे आयोजनों में पीड़ित, शोषित और वंचित महिलाओं की बातें बड़े सुविधाजनक तरीके से किनारे कर दी जाती हैं। मौजूदा सरकार का भी यही तरीका है। अब 2014 वाला दौर नहीं रहा, जब निर्भया कांड के बाद सरकार के खिलाफ आक्रोश प्रकट करने के लिए जनता अगर सड़कों पर उतर आई तो तत्कालीन सरकार ने ऐसा करने से जनता को नहीं रोका, न ही इस मामले को दबाने की कोशिश की या इस जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ा कि उनके कार्यकाल में एक जघन्य अपराध घटित हुआ है। बल्कि तब कांग्रेस सरकार ने निर्भया के इलाज की पूरी जिम्मेदारी उठाई, पीड़िता की मौत के बाद उसके परिवार को राहुल गांधी ने सहारा दिया, उनके भाई को पायलट बनाने में मदद की, लेकिन कभी इस का कोई प्रचार नहीं किया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस बरसों–बरस मनाने और लैंगिक समानता का ढोल पीटने के बावजूद यह एक कड़वी हकीकत है कि महिलाओं के लिए बराबरी और सम्मान की सोच समाज में अब तक व्याप्त नहीं हो पाई है। किस्म–किस्म के भेदभाव और अत्याचार महिलाओं पर होते रहे हैं और इसके लिए किसी सरकार को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि इसका व्यापक संबंध समाज की मानसिकता से जुड़ा है। सरकारें अपने फैसलों और नीतियों से इस मानसिकता को सुधारने का काम अवश्य कर सकती हैं, साथ ही महिला सशक्तिकरण जैसे विस्तृत विषय को राजनीति से दूर रख सकती हैं। खेद है कि मौजूदा केंद्र सरकार में ऐसा नहीं हो रहा है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे एकाध नारे और दो–चार योजनाओं के साथ प्रधानमंत्री नारी सशक्तीकरण का श्रेय लेना चाहते हैं। नये संसद भवन में महिला आरक्षण पर विधेयक पारित करवा कर उन्होंने इतिहास रचने का दावा भी किया, हालांकि उनके दावों की हकीकत कई बार जनता देख चुकी है। महिला सुरक्षा और सम्मान को लेकर उनका दुचित्तापन भी अब सामने आ चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी प.बंगाल में थे, जहां हाल ही में उत्तरी 24 परगना जिले के संदेशखाली में महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप तृणमूल कांग्रेस नेता शाहजहां शेख पर लगा है। शाहजहां शेख फिलहाल कानून की गिरफ्त में है। प.बंगाल में भाजपा इस बार लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस से आगे निकलना चाहती है। लिहाजा प्रधानमंत्री ने उत्तरी 24 परगना जिले के बारासात में भाजपा की नारी शक्ति अभिनंदन रैली की और इसमें कहा कि संदेशखाली में जो कुछ भी हुआ, उससे किसी का भी सिर शर्म से झुक जाएगा। लेकिन टीएमसी सरकार अपराधी को बचाने पर तुली हुई है। इसके बाद उन्होंने बताया कि उनके दस साल के शासनकाल में महिलाएं कितनी मजबूत हुई हैं। श्री मोदी ने संदेशखाली की पीड़ित महिलाओं से मुलाकात भी की। गनीमत है कि संदेशखाली की पीड़िताओं की व्यथा सुनने का वक्त प्रधानमंत्री को मिला। अन्यथा हाथरस, कठुआ, उन्नाव की पीड़िताएं अपने दर्द और अन्याय को भुगतते हुए चली गईं।

मणिपुर की महिलाओं के दर्द का जिक्र तो प्रधानमंत्री करना ही नहीं चाहते। वैसे दाद देनी पड़ेगी प्रधानमंत्री के बड़बोलेपन और मिथ्यालाप के दुस्साहस की, टीएमसी के शासन में महिलाओं पर क्या अत्याचार हुआ है, इस पर वे खूब बरस रहे हैं, लेकिन कानपुर में दो नाबालिग बच्चियों को सामूहिक बलात्कार के बाद मार दिया गया और अब उनमें से एक के पिता ने भी आत्महत्या कर ली है, क्योंकि आरोपी उन पर समझौते का दबाव बना रहे थे, इस पर प्रधानमंत्री शायद ही कुछ कहें, क्योंकि उत्तरप्रदेश में भाजपा की सरकार है।

इसी तरह उत्तराखंड में पिछले साल अंकिता भंडारी नामक युवती की हत्या कर दी गई थी। जिस रिसार्ट में अंकिता काम करती थी, वहां के मालिक ने कथित तौर पर कुछ लोगों को विशेष सेवा देने का दबाव अंकिता पर बना रहे थे, और इंकार करने पर उसे मार ही दिया गया। कार्रवाई के नाम पर रिसार्ट का वो हिस्सा बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया, जहां से सबूत मिल सकते थे। इस पूरे मामले को प्रमुखता से उठाने और इस पर जनआंदोलन खड़े करने वाले पत्रकार आशुतोष नेगी को उत्तराखंड पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि श्री नेगी लोगों को उकसा रहे थे। हालांकि उनकी गिरफ्तारी के बाद पौड़ी में बड़ी संख्या में लोगों ने जुलूस निकाल कर पुलिस को गलत साबित कर दिया है। अपनी बेटी को इंसाफ दिलाने के लिए लोगों में बेचैनी और सरकार के लिए नाराजगी दिख रही है। भाजपा के 10 सालों के शासनकाल में महिलाओं पर अत्याचार तो बढ़ा ही है, उससे ज्यादा दुख की बात यह है कि अपराधों को रोकने की जगह मामले को राजनैतिक लाभ–हानि के मुताबिक संभाला जा रहा है। प.बंगाल में राजनैतिक लाभ दिखा तो प्रधानमंत्री वहां महिला न्याय की बात करने पहुंच गए, लेकिन मणिपुर, उत्तराखंड या उत्तर प्रदेश के मामलों को अनदेखा कर गए। महिला सशक्तीकरण को लेकर अपनाई जा रही इस बेईमानी के बीच किस तरह अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की सार्थकता बची रहेगी, यह विचारणीय है।

बीजेपी का घटता आत्मविश्वास फीका होता मोदी मैजिक

पिछले चुनाव तक बीजेपी प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर किसी भी उम्मीदवार को जीत दिलवाने का आत्मविश्वास रखती थी, लेकिन अब आत्मविश्वास खोती हुई बीजेपी स्टार कलाकारों पर निर्भर होती जा रही है। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन के कारण दिल्ली में बीजेपी के 5 उम्मीदवारों में से केवल एक वर्तमान सांसद मनोज तिवारी को टिकट मिल पाया, शेष 4 वर्तमान सांसदों का टिकट कट गया। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए बीजेपी ने 195 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इस सूची से ही बीजेपी की कई गंभीर कमियां और विपक्ष की मजबूती दिखने लगी है। प्रथम सूची जारी होते ही आसनसोल से बीजेपी उम्मीदवार पवन सिंह ने चुनाव पूर्व ही हार स्वीकार करते हुए अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली। इस घटना के अगले दिन ही उत्तर प्रदेश के बाराबंकी सांसद उपेंद्र रावत ने भी एक तथाकथित वीडियो वायरल होने के बाद अपना टिकट वापस कर दिया। इस तरह अब 195 उम्मीदवारों में से 193 बीजेपी प्रत्याशी मैदान में हैं। इस टिकट वितरण से यह भी स्पष्ट हो गया कि बीजेपी उत्तर प्रदेश में बुरी तरह फंसी हुई है। बीजेपी ने यहां 51 उम्मीदवारों की सूची जारी की, जिसमें सभी वर्तमान बीजेपी सांसदों को पुनः टिकट दे दिया गया, केवल 4 हारे हुए स्थानों पर टिकट बदला गया। जबकि दूसरे राज्यों में कई वर्तमान सांसदों के टिकटों को भी काटा गया।

बीजेपी ने टिकट वितरण से पूर्व कई मापदंडों की बात कही थी,जिसमें सर्वप्रथम चर्चित मापदंड उम्र से संबंधित था। उम्र के आधार पर ही बीजेपी में कई वरिष्ठ नेताओं को शानदार प्रदर्शन के बावजूद मार्गदर्शन मंडल में भेजा जा रहा है। लेकिन उत्तर प्रदेश में यह मापदंड भी लागू नहीं हुआ। उदाहरण के लिए गुजरात के बनासकांठा सीट और उत्तर प्रदेश के मथुरा सीट की तुलना करके देखा जाए। बनासकांठा में वर्तमान बीजेपी सांसद परबत पटेल की उम्र 75 वर्ष थी और उनकी टिकट काटी गई।

सांसद परबत पटेल का प्रदर्शन भी अच्छा था। वहीं दूसरी ओर मथुरा सीट पर बीजेपी सांसद हेमा मालिनी की उम्र भी 75 वर्ष है। पिछले 10 वर्षों में जनता से उनका संवाद भी नहीं के बराबर रहा। वे अधिकांशतः मुंबई रही।

इस तरह परबत पटेल की तुलना में उनका प्रदर्शन भी खराब रहा, फिर भी उनका टिकट नहीं कटा। डुमरियागंज के बीजेपी सांसद जगदंबिका पाल भी 74 वर्ष के हो चुके हैं। फिर भी उनका टिकट नहीं कटा। वहीं बनासकांठा में बीजेपी ने परबत पटेल का टिकट काटकर रेखा बेन चौधरी को टिकट दिया। ज्ञात हो रेखा बेन चौधरी पहली बार चुनाव लड़ रही हैं। स्पष्ट है कि गुजरात में टिकट वितरण में बीजेपी जोखिम उठाने से पीछे नहीं हट रही है, लेकिन उत्तर प्रदेश में बीजेपी डरी हुई दिखाई दे रही है, जिससे वह कोई भी जोखिम नहीं ले रही है।

उत्तर प्रदेश को बीजेपी अपना गढ़ बताया करती है, लेकिन अब उसी उत्तर प्रदेश में बीजेपी के आत्मविश्वास में भारी कमी दिख रही है। आत्मविश्वास की कमी के कारण वह अपने विवादास्पद सांसदों का टिकट भी नहीं काट पा रही। बीजेपी का दावा है कि वह उम्मीदवारों को टिकट देने से पहले अलग–अलग तीन–तीन एजेंसियों से सर्वे करा रही है और नमो एप पर भी आंकड़ों का विश्लेषण कर टिकट दे रही है। इन सबके बावजूद बाराबंकी से सांसद उपेंद्र रावत को पुनः उम्मीदवार कैसे बना लिया गया था? उनके तथाकथित वायरल वीडियो से पूर्व भी वे लगातार विवादों में रहे हैं। अधिकारियों के साथ गालीगलौज और मारपीट की धमकी वाले उनके ऑडियो हमेशा वायरल होते रहे हैं, फिर भी इनके उम्मीदवारी पर कोई असर नहीं पड़ा। अंततः बीजेपी को अब बाराबंकी सीट पर इस शर्मनाक स्थिति को झेलना पड़ रहा है।

बीजेपी उत्तर प्रदेश में यूं तो 80 सीट जीतने का दावा कर रही थी, लेकिन इतने भारी दबाव में है कि काफी खराब प्रदर्शन करने वाले सांसदों को भी पुनः उम्मीदवार बनाने के लिए बाध्य हो गई। इस संदर्भ में उदाहरण के लिए उत्तर प्रदेश के सलेमपुर लोकसभा सीट और झारखंड के लोहरदग्गा सीट की तुलना काफी रोचक है। बीजेपी ने उत्तर प्रदेश के सलेमपुर में बीजेपी सांसद रवींद्र कुशवाहा को पुनः उम्मीदवार बनाया है, जबकि क्षेत्र में उनके अत्यंत खराब प्रदर्शन से लोग काफी नाराज हैं। प्रायः सत्ता विरोधी रूझान को कम करने के लिए ऐसे स्थानों पर उम्मीदवार बदल दिया जाता है। वहीं झारखंड के लोहरदग्गा सीट पर बीजेपी सांसद सुदर्शन भगत तीन बार से सांसद थे। सुदर्शन भगत जातीय समीकरण के आधार पर भी मजबूत थे, लेकिन सर्वे रिपोर्ट में उनके प्रति थोड़ी नाराजगी दिखते ही बीजेपी ने उनका टिकट काट कर सुदर्शन उरांव को टिकट दे दिया। इस तरह भारी नाराजगी के बावजूद सलेमपुर में रवींद्र कुशवाहा का टिकट बरकरार रहा, जबकि झारखंड के लोहरदग्गा सीट पर सुदर्शन भगत का टिकट कट गया। सलेमपुर सांसद रवींद्र कुशवाहा का एक बयान यूं भी काफी चर्चा में रहा था कि मैं 2 बार सांसद रहा हूं, जबकि मेरे पिताजी 4 बार के सांसद रहे हैं, फिर भी मेरे घर के सामने का टंकी चालू नहीं हो पाया है। इस बयान से ही सांसद महोदय के रिपोर्ट कार्ड को समझा जा सकता है। सलेमपुर सीट पर 'इंडिया' गठबंधन ने अभी प्रत्याशी नहीं उतारा है, लेकिन इसके पहले ही बीजेपी इस सीट पर अभी ही हारती नजर आ रही है।

उत्तर प्रदेश में डरी हुई बीजेपी इस तरह के उम्मीदवारों की टिकट देकर अपने सीटों की संख्या स्वयं घटा रही है। इसी तरह जौनपुर सीट पर बीजेपी ने कृपाशंकर सिंह को टिकट दिया है, जो पहले कांग्रेस में थे और महाराष्ट्र में कांग्रेस नेता के रूप में गृह राज्य मंत्री रह चुके हैं। यहां से धनंजय सिंह बीजेपी के टिकट के लिए प्रयत्नशील थे, लेकिन उन्हें यह टिकट नहीं दिया गया । तब उन्होंने बीजेपी के विरुद्ध ही विरोध का बिगुल फूंक दिया। लेकिन इसी समय (6 मार्च) उन्हें एमपी एमएलए कोर्ट ने 7 वर्ष की सजा सुना दी, फलतः धनंजय सिंह चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हो गए। इस घटनाक्रम से उत्तर प्रदेश के ठाकुर समुदाय में बीजेपी के प्रति नाराजगी दिख रही है। यहां भी अभी गठबंधन के तरफ से उम्मीदवार घोषित नहीं किया गया है, फिर भी मुकाबले से पहले ही बीजेपी गलत उम्मीदवार के चयन के कारण कमजोर दिख रही है।

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी से एक बार पुनः गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी को टिकट दिया गया है। बीजेपी के इस कदम से किसान आक्रोश में हैं। टेनी के टिकट को किसान जले पर नमक छिड़कने के रूप में देखते हैं। अजय मिश्र टेनी के टिकट ने 2021 में किसानों को थार से रौंदने के घटनाक्रम के जख्म को फिर से ताजा कर दिया है। एक तरफ केंद्र की सरकार कह रही है कि हम किसानों की मांगों के प्रति हमदर्दी रखते हैं, जबकि दूसरी तरफ अजय मिश्र टेनी को टिकट दे दिया जाता है।

उत्तर प्रदेश के डबल इंजन में अब तक का विश्लेषण कुछ सामान्य सीटों का था। लेकिन अगर उत्तर प्रदेश के हाईप्रोफाइल सीट अमेठी का विश्लेषण किया जाए, तो यहां भी बीजेपी की उम्मीदवार केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी काफी कमजोर नजर आ रही हैं। अभी कांग्रेस ने अमेठी से उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है, लेकिन खबर है कि राहुल गांधी, अमेठी और वायनाड दोनों जगहों से चुनाव लड़ेंगे।

2019 में राहुल गांधी कांटे के मुकाबले में 55 हजार वोटों से चुनाव हार गए थे। अमेठी में 5 विधानसभा है। इनमें तीन सीटों पर बीजेपी का कब्जा है, जबकि दो सीटें समाजवादी पार्टी ने जीती थी। हालांकि, हाल में हुए राज्यसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के दोनों विधायक बीजेपी के पक्ष में दिखे। इस तरह अब कागज पर अमेठी के सभी 5 सीटों पर बीजेपी का प्रभाव है। परंतु अमेठी की जमीनी स्थिति बिल्कुल अलग है। लोग 2019 में स्मृति ईरानी को वोट देकर दुखी हैं। अमेठी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 1967 में बना था, तभी से यह सीट कांग्रेस, विशेषकर गांधी परिवार का गढ़ रहा है। स्मृति ईरानी ने वहां 13 रुपया किलो चीनी और 400 रुपया प्रति सिलेंडर का वादा किया था। अब जनता उनसे सवाल पूछ रही है कि कहां है 13 रुपया में चीनी और 400 वाली सिलेंडर? महंगाई और बेरोजगारी के बीच राहुल गांधी को लोग याद कर रहे हैं। अगर राहुल गांधी यहां से चुनाव लड़ते हैं, तो स्मृति ईरानी के लिए के लिए जीत संभव नहीं है। बीजेपी देश में 400 पार का नारा दे रही है, लेकिन उत्तर प्रदेश में ही 30–40 सीटों के नुकसान में दिख रही है।

पिछले चुनाव तक बीजेपी प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर किसी भी उम्मीदवार को जीत दिलवाने का आत्मविश्वास रखती थी, लेकिन अब आत्मविश्वास खोती हुई बीजेपी स्टार कलाकारों पर निर्भर होती जा रही है।

आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन के कारण दिल्ली में बीजेपी के 5 उम्मीदवारों में से केवल एक वर्तमान सांसद मनोज तिवारी को टिकट मिल पाया, शेष 4 वर्तमान सांसदों का टिकट कट गया। दिल्ली में गौतम गंभीर ने पहले ही चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया है। इसके अतिरिक्त दिल्ली में बीजेपी सांसद हंसराज हंस का टिकट कटना तय माना जा रहा है।

इस तरह बीजेपी ने दिल्ली के 7 सीटों में केवल मनोज तिवारी को टिकट दिया है, वह भी उनके भोजपुरी स्टारडम के कारण। वहीं तमाम कमियों के बावजूद हेमा मालिनी को भी पुनः टिकट मिलने का कारण उनका स्टारडम ही रहा है। ऐसा लगता है कि अब बीजेपी को प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर जीतने की संभावना कम है, इसलिए प्रसिद्ध सेलिब्रिटी से ही उनका सहारा बचा है। बीजेपी उम्मीदवारों के टिकट वितरण से स्पष्ट हो चुका है कि मोदी मैजिक फीका पड़ गया है।

चुनावी वायदे : राजनीतिक दलों के दिखावे के खेल को रोकने की प्रणाली चाहिए

लोकपाल का निर्माण भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक कदम होगा। यह मतदाताओं को सशक्त बनायेगा, जिम्मेदार प्रचार अभियान को प्रोत्साहित करेगा और जवाबदेही की संस्कृति को बढ़ावा देगा जहां वायदे ठोस कार्रवाई में तब्दील होते हैं। भारतीय चुनावों की जीवंत टेपेस्ट्री में, लोकपाल यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। भारतीय चुनाव का मौसम एक जीवंत तमाशा है। रैलियां ऊर्जा से भरी होती हैं, रंग–बिरंगे झंडे लहराते हैं, और घोषणापत्र भविष्य के लिए भव्य दृष्टिकोण पेश करते हैं। फिर भी, जश्न के माहौल के नीचे एक परेशान करने वाला सवाल छिपा हैः क्या ये वायदे महज़ बयानबाजी का खेल हैं, जिनके हकीकत में बदलने की बहुत कम संभावना है? शायद, अब चुनावी वायदों के लिए एक लोकपाल को संस्थागत बनाने का समय आ गया है–पार्टियों को व्यवहार्यता के लिए जवाबदेह बनाने और उनके वादों पर अमल करने के लिए एक तंत्र को अस्तित्व में लाने का। भाजपा और विपक्षी कांग्रेस दोनों द्वारा तेजी से बढ़ते महत्वाकांक्षी वायदों के मद्देनजर इस तरह के नियंत्रण और संतुलन की आवश्यकता विशेष रूप से स्पष्ट है। 2019 के चुनावों में, भाजपा ने 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वायदा किया था, इस लक्ष्य को विशेषज्ञों ने व्यापक रूप से अवास्तविक माना था। दूसरी ओर, कांग्रेस ने न्यूनतम आय गारंटी योजना (न्यूनतम आय योजना) का वायदा किया– महत्वपूर्ण बजटीय निहितार्थ वाला एक सामाजिक कल्याण कार्यक्रम। हालांकि ये वायदे मतदाताओं की कल्पना को आकर्षित करते हैं, लेकिन इनमें एक महत्वपूर्ण अनुपस्थिति है : जवाबदेही। वर्तमान में, चुनावी वायदों की सत्यता या व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए कोई तंत्र मौजूद नहीं है। राजनीतिक दल दण्ड–मुक्ति के साथ घोषणापत्र तैयार करते हैं, यह जानते हुए कि उन्हें जिम्मेदार ठहराये जाने की संभावना न्यूनतम है। परिणाम की यह कमी खोखली बयानबाजी की संस्कृति को जन्म देती है,जहां वायदे ठोस योजनाओं के बजाय सुविधाजनक बातचीत के बिंदुओं में बदल जाते हैं।

भारत के चुनाव आयोग को अक्सर अजीबोगरीब वायदों के खिलाफ संभावित संरक्षक के रूप में उद्धृत किया जाता है। हालांकि, चुनाव आयोग की भूमिका मुख्य रूप से निष्पक्ष चुनाव कराने और चुनाव प्रचार के लिए दिशानिर्देशों का एक सेट, आदर्श आचार संहिता, लागू करने तक ही सीमित है। उन्हें घोषणापत्र के वायदों की जांच करने का अधिकार नहीं है, जिससे वे बड़े पैमाने पर अनियंत्रित हो जाते हैं।

चुनाव के बाद वायदों की पूर्ति पर नज़र रखने के लिए एक मजबूत तंत्र की अनुपस्थिति चुनाव आयोग की प्रभावकारिता को और सीमित कर रही है। जश्न मनाने के लिए ऊपर फेंके जाने वाले चमचमाते कागज के टुकड़ों (कन्फेटी) के नीचे गिरकर शांत होने के बाद घोषणापत्र अक्सर धूल फांकते हैं, उनके कार्यान्वयन का कोई व्यवस्थित अनुवर्ती मूल्यांकन नहीं होता है। अनुवर्ती कार्रवाई की यह कमी लोकतांत्रिक जवाबदेही के विचार को कमजोर करती है। मोदी सरकार ने एक निश्चित प्रकार के चुनावी वायदों को लागू किया है, लेकिन इनका मुख्य उद्देश्य समावेशी लोकतांत्रिक प्रगति को बढ़ावा देने के बजाय विभाजनकारी एजेंडे को आगे बढ़ाना था।

इसके लिए एक लोकपाल की मांग इसी कमी से उपजती है। समर्थक एक स्वतंत्र निकाय की कल्पना करते हैं जिसके पास व्यवहार्यता और वित्तीय व्यवहार्यता के लिए घोषणापत्र के वादों की जांच करने की शक्ति हो। लोकपाल चुनाव के बाद जनता और चुनाव आयोग को समय–समय पर रिपोर्ट जारी करके वायदा की गई योजनाओं की प्रगति पर भी नज़र रख सकता है।

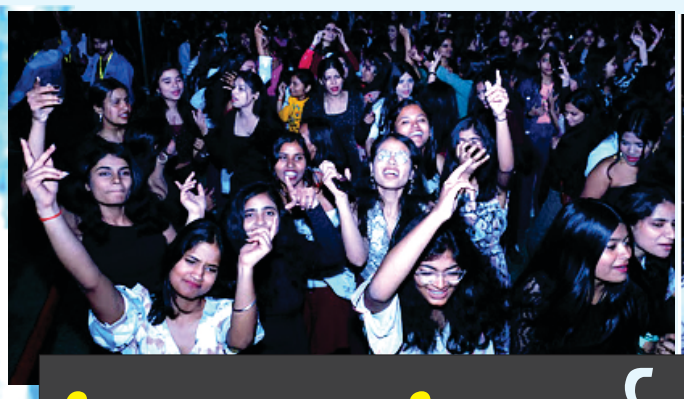

'अभ्युदय' कार्यक्रम का आगाज

डीएम नाइट से संगीतभरी रही रात–छात्र–छात्राओं ने जमकर की मस्ती

गोरखपुर। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमएमएमयूटी) में कला, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव 'अभ्युदय–24' का बृहस्पतिवार को शुभारंभ हो गया। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने तीन दिवसीय इस समारोह का शुभारंभ किया। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमएमएमयूटी) में कला, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव 'अभ्युदय–24' का बृहस्पतिवार को शुभारंभ हो गया। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने तीन दिवसीय इस समारोह का शुभारंभ किया। पहले दिन रागा, मेल–जोल, गूंज, रैडर जोन, छोटे उस्ताद, हाउस ऑफ कॉमंस, क्विज, आर्काइविंग इमोशंस, फेस पेंटिंग, ग्लिटरिंग हैंड और ओपेन माइक का आयोजन किया गया। इसमें छात्र–छात्राओं ने प्रतिभा से खूब वाहवाही बटोरी। उद्घाटन अवसर पर कुलपति प्रो. सैनी ने कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों के व्यक्तित्व और कौशल को विकसित करने में सहायक होते हैं। इससे प्रबंधन कौशल और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। पढ़ाई–लिखाई का उद्देश्य केवल विषय का ज्ञान नहीं होता, बल्कि छात्रों में जीवन जीने का कौशल विकसित करना भी होता है। इसी उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को संगीत, नृत्य आदि की पेशेवर शिक्षा देने के लिए पदों का सृजन किया गया है।

कार्यक्रम की शुरुआत 'छोटे उस्ताद' से हुई। इसमें नृत्य, गायन, पेंटिंग आदि में बच्चों ने कौशल दिखाया। ओपेन माइक में अंकित विश्वकर्मा, देवांश त्रिपाठी तथा पीयूष मदान ने उम्दा प्रदर्शन किया। नृत्य प्रतियोगिता में भी प्रतिभागियों ने समा बांध दिया। दोपहर में हाउस ऑफ कॉमंस का अंतिम दौर आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। क्विज में सामान्य ज्ञान, विज्ञान, खेलकूद, सामान्य योग्यता से प्रश्न पूछे गए। आर्काइविंग इमोशंस कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता में भी कई प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

इसी क्रम में लाइवली फेसेट का आयोजन किया गया। इसमें चेहरों की चित्रकारी शामिल रही। प्रतिभागियों ने विभिन्न तरीकों से चेहरों को रंग कर रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। ओपेन माइक में प्रतियोगियों ने स्वरचित कविता सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। निर्णायक मंडल में अनूप सिंह, दिलीप सिंह, शिवम श्रीवास्तव और आर्यन पांडेय मौजूद रहे।

डॉ. हरीश चंद्र ने अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। एडिटोरियल बोर्ड के संकाय प्रभारी डॉ. अभिजीत मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान छात्र क्रिया–कलाप परिषद के चेयरमैन प्रो. बीके पांडेय, उपाध्यक्ष डॉ. राजन मिश्र, प्रायोजक जीडी गोयनका की प्रतिनिधि संचिता श्रीवास्तव व अर्चना आदि ने भी संबोधित किया।

स्टाइसि बैंड पर थिरकते रहे छात्र–छात्राएं, जमकर की मस्ती

रात्रि का मुख्य आकर्षण 'हरमोसा' रहा। उजाला फैलाने के इस उत्सव ने आयोजन स्थल पर चार चांद लगा दिए। इसके बाद डीजे बैंड स्टाइल्स ने ईडीएम नाइट में खूब धमाल मचाया। बैंड की धुन पर छात्र–छात्राएं थिरकते दिखे। उत्साह के माहौल में सभी ने इसका लुत्फ उठाया। देर रात तक यह कार्यक्रम चलता रहा।

गोरखपुर में सीएम योगी देंगे एनसीसी ट्रेनिंग एकेडमी की सौगात 10 एकड़ में होगा निर्माण

गोरखपुर। गोरखपुर में एनसीसी एकेडमी का निर्माण सिक्टौर (तालकंदला) में 10 एकड़ भूमि पर किया जाएगा और इसके निर्माण पर 47.88 करोड़ रुपये की लागत आएगी। सीएम, शनिवार को गोरखपुर में एनसीसी (राष्ट्रीय कैडेट कोर) की ट्रेनिंग एकेडमी का शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर को एक और बड़ी सौगात देने जा रहे हैं। सीएम, शनिवार (9 मार्च) को गोरखपुर में एनसीसी (राष्ट्रीय कैडेट कोर) की ट्रेनिंग एकेडमी का शिलान्यास करेंगे। इससे पूर्वांचल के युवाओं के लिए फौज में जाने के अवसर बढ़ेंगे। एनसीसी एकेडमी का निर्माण सिक्टौर (तालकंदला) में 10 एकड़ भूमि पर किया जाएगा और इसके निर्माण पर 47.88 करोड़ रुपये की लागत आएगी। एनसीसी के ट्रेनिंग एकेडमी का निर्माण कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज, जल निगम, यूनिट–42, गोरखपुर द्वारा कराया जाएगा।

एकेडमी में प्रशासनिक भवन, 150 छात्रों की क्षमता के बालक छात्रावास, 100 छात्राओं की क्षमता के बालिका छात्रावास, डायनिंग हाल, टायलेट ब्लाक, विद्युत स्टेशन, आउटडोर मल्टीएक्टिविटिज एरिया, 50 मीटर के आउटडोर शूटिंग रेंज, ड्रिल प्रैक्टिस पथ, फुटबाल फील्ड, आप्टिकल कोर्स एवं पुशप बीम आदि की सुविधा होगी। इसके अलावा 7.17 करोड़ रुपये की लागत से चहारदीवारी के निर्माण, सभी किनारों पर संतरी पोस्ट, गार्ड रूम, हाईमास्ट फ्लड लाइट के कार्य कराए जाएंगे।

एकता और अनुशासन आदर्श वाक्य वाले एनसीसी ग्रुप गोरखपुर, उत्तर प्रदेश के पूर्वी भाग के 11 जिलों का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें देवरिया, कुशीनगर, गोरखपुर, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बस्ती, संतकबीरनगर, गोडा, बलरामपुर श्रावस्ती एवं बहराइच शामिल हैं। इससे जुड़े विश्वविद्यालयों, स्कूलों और कालेजों के कैडेटों को प्रशिक्षण देने हेतु प्रति वर्ष औसतन 25 से 30 संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर, थल सेना शिविर, इंटर ग्रुप कम्पटीशन, गणत्रंत दिवस परेड की तैयारी और गणेश वासुदेव मावलंकर शूटिंग प्रतियोगिता के आयोजन के साथ ही अनेक सामाजिक गतिविधियां भी इस ग्रुप की तरफ से आयोजित की जाती हैं।

रुद्रांस ने बैंकों से लिया था फर्जी कागजों पर इतना ऋण, लेकिन बैंक अफसर अंजान

गोरखपुर। फर्जी दस्तावेज की मदद से आईसीआईसीआई बैंक से 4.45 करोड़ रुपये का ऋण लेने वाले रुद्रांश प्रकरण में बैंक कर्मचारियों की साझेदारी से फर्जी ऋण देकर जालसाजी करने वालों पर बैंक अफसर मेहरबान दिख रहे हैं। फर्जी दस्तावेज की मदद से आईसीआईसीआई बैंक से 4.45 करोड़ रुपये का ऋण लेने वाले रुद्रांश प्रकरण में बैंक कर्मचारियों की साझेदारी से फर्जी ऋण देकर जालसाजी करने वालों पर बैंक अफसर मेहरबान दिख रहे हैं। स्थानीय बैंक प्रबंधन से कोई मदद नहीं मिलने पर पुलिस ने बैंक के हेड ऑफिस और रिजर्व बैंक को प्त्र लिखा है। इसके बाद भी हेड ऑफिस से कोई जवाब नहीं आने से बैंक अफसरों की मंशा साफ होने लगी है। यही वजह है कि अब पुलिस अपने स्तर से साक्ष्य जुटाने में लग गई है। ऐसे में पुलिस कर्मचारियों के साथ उस बैंक अफसर का भी गर्दन दबोच सकती है, जो फर्जी ऋण के फाइल पर हस्ताक्षर किए थे।

खबर है कि एसएसपी ने इस पूरे प्रकरण की जांच कर रहे एएसपी को साक्ष्य जुटाने के निर्देश दिए हैं। वहीं, एक बार पुलिस रिमांइडर भी भेजने की तैयारी में है। पुलिस ने कई बार स्थानीय बैंक प्रबंधन से यह जानकारी मांगी कि किन कर्मचारियों ने रुद्रांश के ट्रक ड्राइवर को बिना किसी कागजात के ढाई करोड़ रुपये का ऋण दे दिया, लेकिन प्रबंधन कोई जवाब नहीं दे रहा है। इसके बाद ही पुलिस ने बैंक के हेड ऑफिस से जवाब मांगा और पत्राचार किया, लेकिन इसका भी कोई जवाब नहीं आया। पुलिस ने बैंक के हेड ऑफिस को पत्र भेज कर बताया है कि कैसे उनके बैंक के रुपयों की जालसाजी की गई है और कर्मचारियों को बचाने में लोकल स्तर के अधिकारी लगे हैं। वहीं आरबीआई से बैंक का पंजीकरण होने की वजह से उन्हें भी जानकारी दी गई है। लेकिन, कोई जवाब नहीं आने पर पुलिस ने खुद से साक्ष्य जुटाना शुरू कर दिया है।

बैंक में अपनी पैठ के दम पर ही रुद्रांश ने फर्जी बैनामा कराकर पहले ऋण लिया और फिर अपने ट्रक ड्राइवर रियाज के नाम से ढाई करोड़ रुपये का ऋण करा दिया। पुलिस ने बैंक से संपर्क कर दोषी कर्मचारियों का नाम मांगा, लेकिन नहीं बताया गया। बैंक के हेड ऑफिस की ओर से अभी तक कोई जवाब नहीं आने पर पुलिस ने अपनी जांच तेज कर दी है। पुलिस के हाथ कई सुराग लगे हैं। पुलिस के पास एक ऐसा फुटेज है, जिसमें रुद्रांश के रात में बैठकी करते हुए बैंक के दोषी कर्मचारी नजर आ रहे हैं। अब अगर आम आदमी 10 हजार रुपये का ऋण लेने जाता है तो उससे इतने दस्तावेज मांगे जाते हैं कि वह परेशान हो जाता है। फिर करोड़ों के ऋण में यूं ही बैंक कर्मचारियों ने आंखें बंद कर ली होगी, यह किसी के गले के नीचे नहीं उतर रहा है। इस वजह से पुलिस अपने स्तर से भी साक्ष्य जुटा रही है। बताया जा रहा है कि पुलिस को कई महत्वपूर्ण जानकारियां भी मिलीं हैं।

एसएसपी गौरव ग्रोवर ने बताय कि बैंक से एक ट्रक चालक को ढाई करोड़ रुपये का ऋण देना गंभीर प्रकरण है। पुलिस का रुख साफ है, जो भी दोषी होगा उस पर कार्रवाई होनी ही है। बैंक के स्टेट हेड से कहने के बाद भी दोषी कर्मचारियों का नाम नहीं बताया गया। आरबीआई और बैंक के हेड ऑफिस को पत्र भेजा गया, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। पुलिस अपने स्तर से जांच कर रही है। पुलिस के पास कई साक्ष्य मौजूद है, जिसके आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जाएगा। जो भी दोषी होगा, उस पर कार्रवाई की जाएगी।

पान खाकर सड़क पर थूका तो अब नगर निगम माला पहनाकर चेताएगा

गोरखपुर। गोरखपुर नगर निगम पान–गुटखा या खैनी खाकर सड़क पर थूकने वालों को अब सार्वजनिक रूप से माला पहनाकर जागरूक करेगा। पान–गुटखा या खैनी खाकर सड़क पर थूकने वालों को अब नगर निगम सार्वजनिक रूप से माला पहनाकर जागरूक करेगा। सड़कों पर थूकने वालों को मिस्टर पीकू का खिताब दिया जाएगा। साथ ही 250 रुपये जुर्माना भी लगेगा। इसका उद्देश्य है कि लोग सार्वजनिक जगहों पर स्वच्छता के प्रति जागरूक हों। शहर की सड़कों को स्वच्छ रखने के लिए नगर निगम ने यह फैसला लिया है। नगर निगम के स्वच्छ भारत मिशन–नगरीय की टीम लाल स्पॉट के खिलाफ अभियान चला रही है। इसमें लोगों से सड़क पर गंदगी न फैलाने की अपील की जा रही है।

अगले हफ्ते से टीम जुर्माना लगाने के साथ ही माला पहनाकर सम्मानित करेगी, ताकि ये लोग आगे से ऐसा करने से पहले कई बार सोचें। पुरुषों के साथ ही युवतियों और महिलाओं को भी मिस या मिसेज पीकू खिताब दिया जाएगा। इनसे 250 रुपये जुर्माना भी जमा कराया जाएगा। माला पहनाकर फोटो भी खींचा जाएगा। इधर–उधर थूकने की वजह से सड़कों पर गंदगी हो रही है। इस अभियान से स्वच्छ सर्वेक्षण में निगम की रैंकिंग पर भी असर पड़ेगा।

आनलाइन होगी निगरानी

पहले चरण में नगर निगम की टीम चौराहों और सड़कों पर जाकर थूकने और गंदगी फैलाने वालों को पकड़ेगी और सबक सिखाएगी। इसके बाद इसकी मॉनिटरिंग नगर निगम में बने कंट्रोल रूम से की जाएगी। यदि कोई सड़क पर गंदगी फैलाते पाया गया तो उसको चिह्नित कर कार्रवाई की जाएगी।

रात में सफाई, दिन में लाल हो रही सड़कें

उप नगर आयुक्त और स्वच्छ भारत मिशन–नगरीय के नोडल अधिकारी डॉ. मणिभूषण तिवारी ने बताया कि रात के समय सड़कों की मैकेनाइज्ड क्लीनिंग की जाती है। लेकिन दिन में लोग पान–गुटका खाकर इसे गंदा कर देते हैं। इसकी वजह से वहां लाल निशान पड़ जाते हैं। इसको रोकने के लिए एक बार फिर से मिस्टर पीकू अभियान चलाया जाएगा। जो कोई भी सड़क पर थूकते या गंदगी फैलाते पाया गया, उसका चालान करने के साथ ही माला पहनाकर सम्मानित किया जाएगा, ताकि आगे से वह ऐसा काम न करे।

हाईकोर्ट के आदेश पर जमीन तलाश रहा प्रशासनिक अमला, 200 एकड़ शहर के इन रईसों की भी है जमीन

गोरखपुर। हाईकोर्ट के आदेश पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट की टीम महावीर झारखंडी, टुकड़ा नंबर तीन, जंगल रामगढ़ उर्फ रजही और जंगल तिनकोनिया नंबर तीन की बेशकीमती जमीनों के खतौनी का पुनर्निर्माण करेगी। तीन माह के अंदर टीम को रिपोर्ट तैयार पेश करना था। मजिस्ट्रेट की टीम ने जांच आख्या के लिए निर्देशित किया था, लेकिन टीम अभी तक काम पूरा नहीं कर सकी। इससे प्रशासनिक जमीनें भी अभी तक फंसी हैं।शहर में तीन स्थानों पर बेशकीमती जमीनों की तलाश प्रशासन ने शुरू कर दी है। मामला 200 एकड़ जमीन का है। हाईकोर्ट के निर्देश पर जांच कर तीन महीने में पूरी कर आख्या के साथ रिपोर्ट देनी थी, लेकिन अभी तक मामला किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा है। उप जिलाधिकारी ने उच्च न्यायालय के निर्देश पर 17 जनवरी 2024 को एक टीम गठित की थी। इसमें नायब तहसीलदार के साथ आठ लेखपालों की तैनात किया गया था। इन बेशकीमती जमीनों की तलाश के लिए एक महीने का समय देते हुए टीम का गठन किया गया, जो बीत चुका है। दरअसल, बाबू गिरधरदास के पौत्र विपुल मोहन दास की पॉवर ऑफ एटॉर्नी वाले अनिल गर्ग ने उच्च न्यायालय में 2022 में एक रिट याचिका दाखिल की थी। तर्क दिया था कि 2005 में उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद के निर्देश के बाद भी शहर के रईस बाबू पुरुषोत्तम दास और बाबू गिरधरदास की महादेव झारखंडी में जमीनों के अलावा जंगल रामगढ़ उर्फ रजही और जंगल तिनकोनिया नंबर तीन की बेशकीमती जमीनों के खतौनी का पुनर्निर्माण नहीं किया गया।

हर-हर महादेव

महाशिवरात्रि पर भोले बाबा का अद्भुत श्रृंगार

लखनऊ के मनकामेश्वर मंदिर में भगवान शिव–पार्वती का अद्भुत श्रृंगार हुआ।
मनकामेश्वर मंदिर में भगवान शिव व माता पार्वती का अद्भुत श्रृंगार किया गया।

लखनऊ। महाशिवरात्रि के अवसर पर भगवान शिव के मंदिरों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। लोग सुबह से ही दर्शन–पूजन के लिए लंबी लाइनें लगाकर खड़े हैं। श्रद्धालु मंदिरों में जलाभिषेक करने के बाद शिव लिंग को बेल–पत्र अर्पित कर रहे हैं। महाशिवरात्रि को लेकर कल रात से ही तैयारियां शुरू कर दी गईं थीं। मंदिरों की साफ–सफाई करने के साथ ही सज्जा की जाने लगी थी। महाशिवरात्रि के अवसर पर प्रदेश के विभिन्न शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ने को लेकर पहले से ही तैयारियां की गई थीं। कई शहरों में यातायात में बदलाव किया गया है। मंदिर वाले मार्गों में वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

शिवभक्तों ने मंदिर मे दिया जलाकर और आरती कर भगवान शिव की आराधना की।

मोहन रोड बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन के लिए अपनी बारी का इंतजार करते शिवभक्त।

बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक करते शिव भक्त।

सीतापुर के श्यामनाथ मंदिर में भगवान शिव का श्रृंगार व शिवलिंग का जलाभिषेक करते शिव भक्त।

महाशिवरात्रि पर शिवभक्तों से पट गया महादेवा

बाराबंकी के रामनगर तहसील क्षेत्र में स्थित पौराणिक तीर्थ स्थल श्री लोधेश्वर महादेवा में शिवभक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा है। महाशिवरात्रि के मौके पर मंदिर के कपाट नहीं बंद किए गए और पूरी रात जलाभिषेक चलता रहा। सुबह 3:00 के बाद भीड़ इतनी बढ़ गई कि मंदिर से लेकर मुख्य सड़क तक श्रद्धालुओं की कतार लग गई। अपने आराध्य को जल गंगाजल, शहद, पुष्प, दूध, दही, फल, मिष्ठान अर्पित करने के लिए श्रद्धालु भक्ति भाव से महादेवा में मौजूद है और हर हर महादेव का उद्घोष कर रहे हैं।

अयोध्या में मौजूद भक्तों की भीड़।

अमेठीः हर–हर महादेव के जयकारों से गूंजे शिवालय, भक्तों ने किया जलाभिषेक व रुद्राभिषेक

अमेठी में महाशिवरात्रि पर्व पर जिले के सभी शिवालयों पर आस्था का सैलाब उमड़ा दिखाई पड़ा। भोर से ही क्षेत्र स्थित सभी शिवालय बोल बम, ओम नमः शिवाय और हर–हर महादेव के जयकारों से गूंज उठे। शिव भक्तों ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विधि विधान से रुद्राभिषेक किया। जगह– जगह अखंड भंडारे एवं फलाहार वितरण का भी आयोजन भी किया जा रहा हैं ।

इस सीट पर मुस्लिम प्रत्याशी उतारकर सपा का खेल बिगाड़ सकती है बसपा, आजम खां के परिवार से ये लड़ेंगी चुनाव !

रामपुर। बसपा रामपुर लोकसभा सीट से मुस्लिम प्रत्याशी उतारकर सपा का खेल बिगाड़ सकती है। सपा इस सीट से मुस्लिम और हिंदू प्रत्याशी के फेर में उलझी नजर आ रही है। सपा एक सिख प्रत्याशी को भी मैदान में उतार सकती है। आजम खां के बड़े बेटे की पत्नी का नाम भी चर्चा में है।

बहुजन समाज पार्टी अब तक भले ही रामपुर लोकसभा सीट से जीत का स्वाद चख न सकी हो, लेकिन इस बार बसपा बड़ा खेल करने की तैयारी कर रही है। बसपा रामपुर लोकसभा सीट से मुस्लिम प्रत्याशी को उतारने के मूड में है। हालांकि, ये प्रत्याशी कौन होगा इस पर अभी बसपा नेता कुछ बोलने से कतरा रहे हैं।

रामपुर लोकसभा सीट पर 1952 में पहली बार मौलाना अबुल कलाम आजाद सांसद बने थे।वो देश के पहले शिक्षामंत्री भी बने थे। अब तक रामपुर लोकसभा सीट पर 18 चुनाव हुए हैं। जिसमें कांग्रेस ने सर्वाधिक 10 बार जीत दर्ज की है। इस सीट से सबसे ज्यादा बार जीत दर्ज करने का रिकॉर्ड नवाब जुल्फिकार अली खां उर्फ मिक्की मियां के नाम है। मिक्की मियां रामपुर सीट से पांच बार सांसद बने। उनकी पत्नी बेगम नूरबानो भी दो बार सांसद बन चुकी हैं।

रामपुर लोकसभा सीट से चार बार भाजपा ने बाजी मारी है। इसके अलावा तीन बार सपा ने जीत का स्वाद चखा है। वहीं एक बार जनता पार्टी के खाते में सीट गई है। रामपुर के लोकसभा चुनाव के इतिहास में बसपा ने अभी तक खाता नहीं खोला है। ऐसे में 2024 लोकसभा चुनाव में समीकरण कुछ बदले–बदले नजर आ रहे हैं।

भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी की घोषणा के बाद लोगों की निगाहें सपा और बसपा पर ही टिकी हैं। सपा रामपुर लोकसभा सीट से मुस्लिम और हिंदू प्रत्याशी के फेर में उलझी नजर आ रही है। भाजपा के प्रत्याशी व वर्तमान में सांसद घनश्याम लोधी को टक्कर देने के लिए सपा एक सिख प्रत्याशी को मैदान में भी उतार सकती है, जबकि आजम खां के बड़े बेटे की पत्नी सिदरा अदीब को का नाम भी चर्चा में है। ऐसे में सपा ने हिंदू या सिख प्रत्याशी पर दांव खेला तो बसपा मुस्लिम प्रत्याशी उतारकर सपा को झटका दे सकती है।

बसपा से पूर्व मंत्री नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां के प्रत्याशी बनने की चर्चा चल रही है। हालांकि, इसको लेकर नवेद मियां और उनके पीआरओ काशिफ खां ने इन्कार किया है। उनका कहना है अभी किसी निर्णय पर नहीं पहुंचे हैं, कुछ होगा तो खुलकर बताया जाएगा। बसपा जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने कहा कि मजबूत प्रत्याशी रामपुर सीट से उतारा जाएगा। जल्द ही घोषणा होगी।

पांच विधानसभा सीटों में से सिर्फ एक सपा के खाते में

रामपुर लोकसभा क्षेत्र की पांच विधानसभा सीटों में से सपा के पास मात्र चमरौआ सीट है। इस सीट पर सपा के नसीर खां विधायक हैं। जबकि भाजपा के पास तीन और उसकी सहयोगी पार्टी अपना दल (एस) के पास एक सीट है।

शहर विधानसभा से आकाश सक्सेना, बिलासपुर विधानसभा से बलदेव सिंह औलख, मिलक विधानसभा एससी रिजर्व सीट से राजबाला सिंह भाजपा की विधायक हैं। वहीं स्वार विधानसभा सीट से अपना दल (एस) के शफीक अहमद अंसारी विधायक हैं। इनमें शहर और स्वार विधानसभा सीट पर उपचुनाव में सपा को हार मिली। शहर सीट आजम खां के इस्तीफे से और स्वार सीट अब्दुल्ला की विधायकी जाने के बाद खाली हुई थी।

घोसी में छड़ी घुमाने के लिए राजभर को करनी पड़ेगी मशक्कत

उपचुनाव में वोट ट्रांसफर कराने में नहीं हुए सफल

लखनऊ। ओम प्रकाश राजभर घोसी विधानसभा उप चुनाव में शत प्रतिशत राजभर वोट भाजपा को ट्रांसफर कराने में कामयाब नहीं हो सके थे। वहीं, प्रत्याशी अरविंद राजभर पहले भी दो चुनाव हार चुके हैं। घोसी लोकसभा क्षेत्र में सुभासपा की छड़ी घुमाने के लिए अरविंद राजभर को कड़ी मशक्कत करनी होगी। सपा और सुभासपा के बीच सीधा मुकाबला हुआ तो क्षेत्र की जातीय समीकरण में दलित मतदाता निर्णायक भूमिका अदा करेंगे। यदि सुभासपा, सपा और बसपा के बीच त्रिकोणीय मुकाबला हुआ तो कांटे की टक्कर होगी।

एनडीए गठबंधन में घोसी लोकसभा क्षेत्र सुभासपा को मिला है। सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने अपने बेटे अरविंद राजभर को प्रत्याशी घोषित किया है। अरविंद पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव भी हैं। वर्तमान में यहां से बसपा के अतुल राय सांसद हैं। घोसी लोकसभा क्षेत्र में आजादी के बाद से केवल 2014 में भाजपा ने चुनाव जीता है। 1998 से सीट पर बसपा और सपा का ही कब्जा रहा है। घोसी में सबसे अधिक करीब सवा दो लाख दलित मतदाता है। करीब डेढ़ लाख राजभर, डेढ़ लाख से अधिक मुस्लिम, सवा लाख नोनिया चौहान, एक लाख यादव, एक लाख ठाकुर, 50 हजार से अधिक ब्राह्मण और 25 हजार से अधिक भूमिहार मतदाता हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि भाजपा अगड़े समाज के वोट के साथ नोनिया चौहान वोट सुभासपा को ट्रांसफर कराने में सफल हो गई तो अरविंद प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी को कांटे की टक्कर देंगे। अरविंद राजभर ने 2022 में वाराणसी की शिवपुर से भाजपा के अनिल राजभर के सामने चुनाव लड़ा था। अरविंद चुनाव हार गए थे। राजभर ने इससे पहले 2017 का विधानसभा चुनाव अरविंद को भाजपा गठबंधन में बलिया की बांसडीह सीट से लड़ाया था। अरविंद वह चुनाव भी हार गए थे।

69000 शिक्षक भर्ती: अभ्यर्थियों ने डिप्टी सीएम केशव के घर के बाहर किया प्रदर्शन, नियुक्ति की मांग की

लखनऊ। शिक्षक भर्ती में चयनित सूची के अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग को लेकर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास के बाहर प्रदर्शन किया और नियुक्ति की मांग की। 69000 शिक्षक भर्ती में नियुक्ति की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास के बाहर घेराव किया और नियुक्ति की मांग की। 6800 चयनित सूची के अभ्यर्थी बीते 600 दिनों से नियुक्ति की मांग कर रहे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि लगातार प्रदर्शन के बावजूद उनकी बात नहीं सुनी जा रही है।

उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए खुशखबरी

दीपावली-होली पर मिलता रहेगा मुफ्त सिलेंडर

केंद्रीय कैबिनेट ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए उज्ज्वला योजना के उपभोक्ताओं को 300 रुपये की सब्सिडी जारी रखने की मंजूरी दी है। योजना के तहत 31 मार्च 2025 तक उज्ज्वला लाभार्थियों को सब्सिडी दी जाएगी। इससे उत्तर प्रदेश के उज्ज्वला लाभाथयों को अगले वर्ष भी होली और दीपावली पर मुफ्त सिलेंडर मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। केंद्रीय कैबिनेट ने अगले वित्तीय वर्ष भी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थियों को सब्सिडी जारी रखने का निर्णय लिया है। इससे प्रदेश के उज्ज्वला लाभार्थियों को अगले वर्ष भी होली और दीपावली पर मुफ्त सिलेंडर मिलने का रास्ता साफ हो गया है। केंद्रीय कैबिनेट ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए उज्ज्वला योजना के उपभोक्ताओं को 300 रुपये की सब्सिडी जारी रखने की मंजूरी दी है। योजना के तहत 31 मार्च 2025 तक उज्ज्वला लाभार्थियों को सब्सिडी दी जाएगी।

होली-दिपावली पर मुफ्त एलपीजी सिलेंडर

बता दें कि चालू वित्तीय वर्ष में पीएम उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को केंद्र सरकार द्वारा दी जा रही 300 रुपये की छूट के अलावा होली और दीपावली में मुफ्त एलपीजी सिलेंडर (रीफिल) उपलब्ध कराने के लिए शेष छूट प्रदेश सरकार द्वारा दी जा रही है।

यूपी सरकार ने अगले वित्तीय वर्ष के बजट में की है 2200 करोड़ की व्यवस्था

प्रदेश सरकार ने अगले वित्तीय वर्ष के बजट में भी मुफ्त एलपीजी सिलेंडर के वितरण के लिए 2,200 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है। जाहिर है अगले साल भी प्रदेश के उज्जवला लाभार्थियों को त्योहारों पर दो मुफ्त सिलेंडर मिल सकेंगे। प्रदेश के 1.75 करोड़ उज्ज्वला लाभार्थियों में से इस वर्ष अब तक 93 लाख लोगों ने मुफ्त सिलेंडर योजना का लाभ उठाया है।

रुद्रपुर। कहा जाता है कि बच्चे बुजुर्गों के बुढ़ापे की लाठी और सराहा होते हैं। मगर आजकल की कलयुगी औलादें संपत्ति के लिए अपने पिता को जिंदा ही मृत घोषित कर देती हैं। यह कहानी है अलहादपुर मरकड़ी के बुजर्ग हरिश्चंद की। कागजात में हेरफेर कर खुद के संतानों ने पिता को ही मृत दिखा दिया और पूरी संपत्ति अपने नाम करा ली। वह फफक कर कहते हैं कि भगवान ऐसी औलाद किसी को न दें। मेरी गाढ़ी कमाई अपने नाम करा लिया है। मुझे तो जिंदा ही मार दिए हैं सब। अब बुजुर्ग न्याय पाने को जिम्मेदारों की चौखट पर जाकर जिंदा होने का सबूत पेश कर रहे हैं। रुद्रपुर तहसील के अलहादपुर मरकड़ी के हरिश्चंद्र यादव के तीन पुत्र हैं।

इनमें विजय यादव, मनोज यादव और अमित यादव शामिल हैं। इसमें अमित यादव की पहले रहस्यमय परिस्थितियों कुछ वर्ष पहले विद्यालय परिसर में ही मृत्यु हो गई। हरिश्चंद्र ने बताया कि भूमि अपनी पत्नी पानमती के नाम से खरीदी थी। पत्नी की मृत्यु 26 जुलाई 2023 हो गई। उसके बाद मनोज यादव और विजय यादव ने उन्हें मृत दिखा दिया और भूमि अपने नाम करा ली।

इसकी जब उनको जानकारी हुई तो उनके पैर तले जमीन ही खिसक गई। वह पहले एसडीएम, फिर एडीएम तक पहुंचे, लेकिन अभी तक उसमें सुधार नहीं हो पाया है। डीएम अखंड प्रताप सिंह से बुजुर्ग ने अपनी शिकायत की।

डीएम ने एडीएम प्रशासन गौरव श्रीवास्तव को जांच सौपी है। रुद्रपुर उप जिलाधिकारी रत्नेश तिवारी ने कहा कि किन परिस्थितियों में मृत दिखाकर भूमि पुत्रों के नाम दर्ज किया गया है, इसकी जांच कराई जाएगी। जो भी दोषी होंगे, उनके विरुद्ध कार्रवाई होगी। जल्द ही इसमें संशोधन किया जाएगा।

1 अप्रैल 2023 के पहले के बकाया बिजली के बिल पर ओटीएस जारी, 30 जून तक होगा रजिस्ट्रेशन

लखनऊ। यूपी में किसानों के बकाया बिजली बिल पर ओटीएस जारी कर दिया गया है। रजिस्ट्रेशन पर 30 प्रतिशत तक मूलधन जमा कराना होगा। उत्तर प्रदेश में जिन किसानों का 1 अप्रैल 2023 से पहले का बकाया है उसके लिए भी एक मुश्त समाधान योजना लागू कर दी गई है।

इसके तहत 30 जून तक रजिस्ट्रेशन करना होगा जिसमे 30 प्रतिशत मूलधन जमा करना होगा। उसके पश्चात एक मुश्त धनराशि जमा करने पर 100 प्रतिशत ब्याज में छूट, 3 किश्तों में जमा करने पर 90 प्रतिशत छूट और 6 किस्तों में जमा करने पर 80 प्रतिशत ब्याज में छूट मिलेगी। जो किसान 30 जून तक उक्त योजना में रजिस्ट्रेशन कराकर पूर्व का बिल जमा नहीं करेंगे उनको फ्री निर्धारित यूनिट 1300/1045 क्षेत्रानुसार का लाभ नहीं मिलेगा।

डीए-डीआर की अतिरिक्त किस्त को मंजूरी देने पर मुख्यमंत्री योगी ने पीएम का जताया आभार

लखनऊ। केंद्र सरकार ने होली से पहले कर्मचारियों को और पेंशनर्स को लाभान्वित करने वाला बड़ा निर्णय लिया है। सरकार ने डीए व डीआर बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय कैबिनेट द्वारा शुक्रवार को केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) और पेंशनर्स की महंगाई राहत (डीआर) की अतिरिक्त किस्त को मंजूरी दी गई है। इसके तहत मूल वेतन व पेंशन की 46 प्रतिशत की मौजूदा दर से 4 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया है। सीएम योगी ने इसे होली से पहले 49 लाख से अधिक केंद्रीय कर्मचारियों और 67 लाख से अधिक पेंशनर्स को लाभान्वित करने वाला निर्णय बताया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने एक्स अकाउंट से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का इस बड़े निर्णय के लिए आभार जताया है।

पीएम मोदी ने महिलाओं को दी सौगात, 100 रुपये कम कर दी LPG सिलेंडर की कीमत

अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मा. केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल जी ने शिष्टाचार भेंट की।

शिष्टाचार भेंट

लखनऊ में सशस्त्र सीमा बल के महानिदेशक श्री दलजीत लसह चौधरी जी ने शिष्टाचार भेंट की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दिल्ली के भारत मंडपम में नेशनल क्रिएटर्स अवॉर्ड्स कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में 23 लोगों को सम्मानित किया। पीएम ने कथा वाचक जया किशोरी को बेस्ट क्रिएटर फॉर सोशल चेंज का अवॉर्ड दिया है। साथ ही कल्चरल ऐंबैस्डर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड मैथिली ठाकुर को दिया है।

काजल के साथ फैन ने की गलत हरकत

एंटरटेनमेंट डेस्क। अभिनेत्री काजल अग्रवाल इस इवेंट में मैरून कलर की साड़ी पहने नजर आईं। अभिनेत्री कई लोगों से घिरी हुई थीं, जो उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब थे। तस्वीर क्लिक करते समय एक फैन काजल के करीब आया और उनकी कमर पर हाथ रख दिया। काजल अग्रवाल हाल ही में हैदराबाद में एक स्टोर लॉन्च इवेंट में शामिल हुईं और अभिनेत्री की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गए हैं। एक वीडियो में काजल को काफी असहज होते देखा गया, जब सेल्फी लेते समय एक फैन उनके करीब आया और उन्हें गलत तरीके से छुआ। आइए जानते हैं कि पूरा मामला क्या है।

काजल के साथ फैन ने की ऐसी हरकत

अभिनेत्री काजल अग्रवाल इस इवेंट में मैरून कलर की साड़ी पहने नजर आईं। अभिनेत्री कई लोगों से घिरी हुई थीं, जो उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब थे। तस्वीर क्लिक करते समय एक फैन काजल के करीब आया और उनकी कमर पर हाथ रख दिया। अभिनेत्री हैरान रह गई क्योंकि वह साफ तौर पर असहज दिख रही थीं। उन्होंने तुरंत फैन को अपने से दूर जाने का इशारा किया। हालांकि, उन्होंने अपना आपा नहीं खोया और कार्यक्रम में मौजूद लोगों के साथ बातचीत करना जारी रखा।

सोशल मीडिया पर यूजर्स ने निकाली भड़ास

सोशल मीडिया पर इस वीडियो होते ही यूजर्स ने अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी। एक यूजर ने लिखा, 'क्या आज कल लोगों को यह समझ नहीं आता कि उन्हें पब्लिक में कैसे व्यवहार करना है।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'काजल ने बिल्कुल ठीक किया। वह एक पब्लिक फिगर होने के साथ–साथ एक महिला भी हैं। लोगों को यह बात समझनी चाहिए।' एक और यूजर ने लिखा, 'किसी भी महिला के साथ यह हरकत बिल्कुल भी शोभा नहीं देती है। काजल ने बहुत अच्छे तरीके से पूरी स्थिति सुधारी है।'

इन फिल्मों में नजर आएंगी अभिनेत्री

वर्क फ्रंट का बात करें तो काजल को आखिरी बार तेलुगु फिल्म भगवंत केसरी में देखा गया था। अनिल रविपुड़ी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में नंदमुरी बालकृष्ण मुख्य भूमिका में थे। काजल अगली बार कमल हासन की इंडियन 2 में दिखाई देंगी। एस शंकर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रकुल प्रीत सिंह, सिद्धार्थ, कालिदास जयराम, प्रिया भवानी शंकर, गुरु सोमसुंदरम और समुथिरकानी भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

'दे दे प्यार दे 2' में काम करेंगी रकुल प्रीत

शादी के बाद 'दे दे प्यार दे' के सीक्वल की शूटिंग करेंगी रकुल फिर साथ देखने को मिलेगी अजय देवगन संग जोड़ी जाने कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह बीते दिनों एक्टर और प्रोड्यूसर जैकी भगनानी संग शादी के बंधन में बंधी हैं और तभी से वह लाइमलाइट में बनी हुई हैं। दोनों ने 21 फरवरी को गोवा में सात फेरे लिए थे। अभी एक्ट्रेस की शादी को एक महीना भी पूरा नहीं हुआ है और वह जल्द ही काम पर वापस लौटने का प्लान बना रही हैं। दरअसल, रिपोर्ट्स की माने तो एक्ट्रेस 'दे दे प्यार दे' के सीक्वल की शूटिंग जल्द शुरू कर सकती हैं। इस मूवी के पहले पार्ट में उनकी जोड़ी अजय देवगन संग देखने को मिली थी।

कब शुरू होगी 'दे दे प्यार दे 2' की शूलटग ?

अकिव अली के निर्देशन में बनी साल 2019 में आई फिल्म 'दे दे प्यार दे' में अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह की जोड़ी को लोगों ने काफी पसंद किया था। इस मूवी में तब्बू भी अहम भूमिका में दिखाई दी थीं। लगभग 50 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई की थी। अब एक बार फिर अजय देवगन, रकुल प्रीत संग रोमांस करते हुए नजर आ सकते हैं। दरअसल, बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार, रकुल प्रीत सिंह ने शादी के बाद हनीमून वेकेशन पर न जाकर अपने काम को पूरा करने का सोचा है। ऐसा बताया जा रहा है कि 'दे दे प्यार दे 2' की शूटिंग मई के मिड में शुरू हो सकती है। इस फिल्म में भी रकुल, अजय देवगन के साथ लीड रोल में दिखाई देने वाली हैं।

रकुल प्रीत और अजय देवगन का वर्कफ्रंट

एक्ट्रेस के वर्कफ्रंट की बात करें, तो वह जल्द ही 'इंडियन 2' में नजर आ सकती हैं। वहीं, नितेश तिवारी की 'रामायण' के लिए भी उनका नाम सामने आया है। वहीं, अजय देवगन जल्द 'शैतान' में नजर आएंगे, जो 8 मार्च को रिलीज होने वाली है। इसके अलावा सिंघम अगेन, रेड 2, मैदान भी उनकी पाइपलाइन में हैं।

साउथ से बालीवुड तक अपनी एक्टिंग का दम दिखा चुकी एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हाल ही में शादी के बंधन में बंधी हैं। उनकी शादी की कई वीडियो और फोटोज सोशल मीडिया पर देखने को मिले। अब एक्ट्रेस जल्द अपने काम पर लौटने की तैयारी कर रही हैं। बताया जा रहा है कि रकुल जल्द अजय देवगन संग दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग शुरू करने वाली हैं।

धनुष के साथ काम करेगी रश्मिका

एंटरटेनमेंट डेस्क। साउथ सुपरस्टार धनुष और इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना एक साथ नजर आने वाले हैं। गुरुवार को मेकर्स ने एक पोस्ट शेयर फिल्म के टाइटल और फर्स्ट लुक रिलीज करने की डेट की घोषणा की हैं। साउथ सुपरस्टार धनुष और इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना एक साथ नजर आने वाले हैं। दोनों सितारे टॉलीवुड निर्देशक शेखर कम्मुला की फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। अब इस फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। मेकर्स ने फिल्म के टाइटल और फर्स्ट लुक रिलीज करने की डेट की घोषणा की हैं। फिलहाल फिल्म का अस्थायी नाम डीएनएस (डी 51) रखा गया है।

निर्देशक शेखर कम्मुला तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के जाने–माने निर्देशकों में से एक है। अपनी अगली फिल्म में वे धनुष और रश्मिका मंदाना को एक साथ लेकर आ रहे हैं। गुरुवार को मेकर्स ने एक पोस्ट शेयर फिल्म के टाइटल और फर्स्ट लुक रिलीज करने की डेट की घोषणा की हैं। पोस्ट में बताया गया फिल्म का टाइटल और फर्स्ट लुक महाशिवरात्रि के मौके पर शाम 4 बजकर 5 मिनट पर रिलीज किया जाएगा। फिल्म को एमिगोस क्रिएशन्स और श्री वेंकटेश्वर सिनेमाज एलएलपी के बैनर तले बनाया जा रहा है। वहीं, इसका संगीत देवी श्री प्रसाद तैयार कर रहे हैं। फिल्म की घोषणा के बाद से दर्शकों में इसे लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। फैंस दोनों की जोड़ी को एक साथ देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले धनुष फिल्म 'रायन' में नजर आएंगे। यह धनुष की 50वीं फिल्म होगी। हाल ही फिल्म का फर्स्ट लुक भी रिलीज किया गया। गौरतलब है कि 'रायन' को धनुष ने ही लिखा और निर्देशित किया है। रायन के पोस्टर में धनुष का एंग्री यंग लुक देखने को मिला था, जिसके बाद फैंस धनुष की इस फिल्म को लेकर भी काफी उत्साहित हैं।

मुस्कान बेबी के नशीले डांस ने काटा गदर

नीले सूट में हरियाणवी डांसर के लटके–झटके हैं बवाल

दिल्ली। हरियाणवी डांस को खूब पसंद किया जाता है. ऐसे में जब बात हो मुस्कान बेबी के डांस की तो वह गजब का थिरकती हैं. 'बोतल ला' गाने पर ये डांस वीडियो देखने को मिलता है जिसे रचना तिवारी के यूट्यूब चैनल पर शेयर किया गया है.
हरियाणवी गानों की खूब धूम देखने को मिलती है. फैंस तो खोज–खोजकर ऐसे डांस वीडियो का आनंद उठाते हैं. यूट्यूब पर हरियाणवी डांस सर्च करने पर कई डांसर्स के वीडियो दिखेंगे. रचना तिवारी, सपना चौधरी, गोरी नागोरी से लेकर मुस्कान बेबी तक. कई डांसर्स हैं जिनके खूब दीवाने हैं.

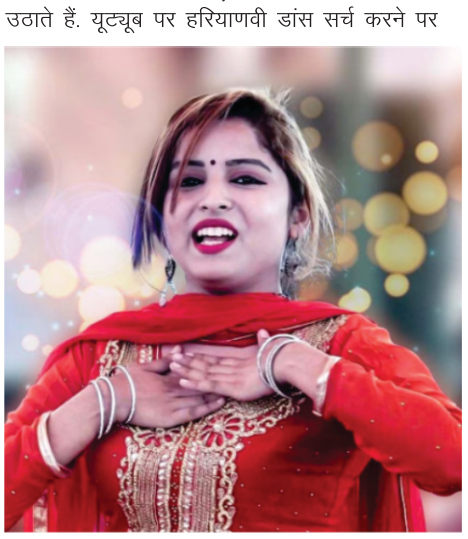

यूट्यूब पर इस वक्त मुस्कान बेबी का एक डांस वीडियो खासा चर्चा में हैं. जहां वह ऐसा थिरक रही हैं कि लोग बार बार इस डांस वीडियो को देखकर एन्जॉय कर रहे हैं. इस वीडियो को अगर आप भी देखना चाहते हैं तो आपको यूट्यूब पर जाना होगा और इसका आनंद ले सकते हैं. हरियाणवी डांसर रचना तिवारी ने इस वीडियो को शेयर किया है. जिसमें मुस्कान बेबी नीले रंग के सूट में चटक–मटक डांस करती दिख रही हैं. ये गाना है 'बोतल ला'. जो कि हरियाणवी इंडस्ट्री का पॉपुलर सॉन्ग है. वीडियो पर हजारों व्यूज हैं. अभी भी व्यूज का सिलसिला बढ़ रहा है.

मुस्कान बेबी बायोग्राफी

मुस्कान बेबी की बात करें तो उन्होंने करियर की शुरुआत टिकटॉक से की थी. आज के समय में वह मॉडल और आर्टिस्ट हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुस्कान बेबी का जन्म 28 अक्टूबर 2000 में हुआ. महज 24 साल की उम्र में मुस्कान बेबी ने दौलत शोहरत हासिल की है।

अश्विन को मिली खास कैप

दोनों बेटियां भी रही मौजूद

पत्नी प्रीति हुईं भावुक

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने धर्मशाला टेस्ट में मैदान पर उतरते ही इतिहास रच दिया। वह 100वां टेस्ट खेलने वाले भारत के 14वें खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण, अनिल कुंबले, कपिल देव, सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर, सौरव गांगुली, विराट कोहली, ईशांत शर्मा, हरभजन सिंह, चेतेश्व पुजारा और वीरेंद्र सहवाग ऐसा कर चुके हैं। इस मौके को खास बनाने के लिए धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में उन्हें खास तरीके से टेस्ट कैप सौंपी गई। इस खास मौके के लिए अश्विन की पत्नी प्रीति और उनकी दोनों बेटियां भी स्टेडियम में मौजूद रहे। भारतीय खिलाड़ी स्टेडियम में एक पंक्ति में खड़े हो गए। सामने में अश्विन की 100वीं टेस्ट कैप को खास तरीके से पैक कर रखा गया था, जैसे कि किसी मोमेंटो को रखा जाता है। इसके बाद उनकी पत्नी और बेटियों को बुलाया गया और वह अश्विन के करीब खड़े हुए। फिर हेड कोच राहुल द्रविड़ ने अश्विन को लेकर कुछ शब्द बोले। फिर उन्होंने अश्विन को टेस्ट कैप सौंपी। इस दौरान भारतीय खिलाड़ी ताली बजाते रहे। प्रीति भावुक नजर आईं। सभी खिलाड़ियों ने गले मिलकर अश्विन को बधाई दी। भारतीय खिलाड़ियों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया। बीसीसीआई ने कई तस्वीरें भी साझा की हैं। अश्विन के लिए यह सीरीज आसान नहीं रही है। राजकोट में सीरीज के तीसरे मुकाबले के दौरान 500 विकेट पूरे करने के बाद अश्विन को अचानक घर लौटना पड़ा था। बीसीसीआई ने तब जानकारी देते हुए बताया था कि उन्हें कोई फैमिली इमरजेंसी है। वहीं, बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने बताया था कि अश्विन की मां बीमार हैं। हालांकि, एक दिन के गैप के बाद अश्विन वापस उस टेस्ट में ही लौट आए थे और फिर 501वां विकेट झटका था। अब इस पूरे मामले में अश्विन की पत्नी प्रीति ने बयान दिया है। उन्होंने पूरी कहानी बताई है। अश्विन के 100वें टेस्ट से पहले प्रीति ने मीडिया से बातचीत की है। उन्होंने बताया कि अश्विन की मां अचाकर से गिर गई थीं। इसके बाद परिवार को उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा था। हालांकि, प्रीति ने अश्विन को कॉल करने की बजाय चेतेश्वर पुजारा को कॉल किया था, ताकि अश्विन को टेस्ट से बाहर निकालने का कोई उपाय सोच सकें। प्रीति ने बताया– राजकोट टेस्ट के दौरान बच्चे स्कूल से लौटे ही थे कि पांच मिनट बाद अश्विन के 500 विकेट पूरे हो गए। जल्द ही हम सभी फोन पर सभी बधाई संदेशों का जवाब दे रहे थे। तभी मैंने आंटी की अचानक चीख सुनी क्योंकि वह गिर गई थीं। इसके कुछ ही समय बाद हम अस्पताल में थे। उस समय हमने अश्विन को नहीं बताने का फैसला किया था क्योंकि चेन्नई और राजकोट के बीच अच्छी फ्लाइट कनेक्टिविटी नहीं थी।

क्रिकेट जगत ने दोनों को बधाई दी

जैसे ही अश्विन और बेयरस्टो ने 100वीं टेस्ट कैप हासिल की, महान सचिन तेंदुलकर सहित क्रिकेट के कई दिग्गजों ने हार्दिक शुभकामनाएं भेजी हैं। 200 टेस्ट मैच खेलने वाले तेंदुलकर ने सोशल मीडिया पर दोनों के लिए एक खास पोस्ट किया। उन्होंने लिखा– धर्मशाला में यह एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि अश्विन और बेयरस्टो 100वीं बार टेस्ट की जर्सी पहन रहे हैं। यह एक अविश्वसनीय उपलब्धि है जो रेड बॉल के क्रिकेट के लिए उनके जुनून और दृढ़ता के बारे में बताती है। मैं आशा करता हूं कि दोनों के लिए यह मैच शानदार रहे। वहीं, अनिल कुंबले ने लिखा– अश्विन आपकी उपलब्धियों पर गर्व है। भारत के लिए ऐसे ही मैच जीतते रहें। आप एक चैंपियन खिलाड़ी हैं और अभी कई और उपलब्धियां बाकी हैं। बेयरस्टो को भी 100 टेस्ट के लिए बधाई। यह एक शानदार उपलब्धि है। ऐसे ही अच्छा करते हैं। इसके अलावा प्रज्ञान ओझा, वीवीएस लक्ष्मण, साइमन डडली, वसीम जाफर, वेंकटेश प्रसाद, एस बद्रीनाथ ने भी शुभकानाएं दी हैं।

आर अश्विन 100वें टेस्ट

रविचंद्रन अश्विन का रिकार्ड

भारतीय टेस्ट टीम के मुख्य गेंदबाज अश्विन ने धर्मशाला टेस्ट से पहले तक 99 टेस्ट में 507 विकेट चटकाए हैं। इसके अलावा वनडे और टी20 में भी उन्होंने अच्छा योगदान दिया है। उनके टेस्ट आंकड़े 23.91 के प्रभावशाली औसत का दावा करते हैं, जिसमें 35 फाइव विकेट हॉल और आठ 10 विकेट हॉल शामिल हैं। अश्विन हाल ही में कुंबले को पीछे छोड़ते हुए घरेलू जमीन पर सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे।

सचिन से लेकर लक्ष्मण–कुंबले तक, क्रिकेट जगत ने इस तरह दी अश्विन–बेयरस्टो को 100वें टेस्ट की बधाई

स्पोर्ट्स डेस्क। पांचवें टेस्ट का कोई खास महत्व सीरीज के नजरिए से न हो, लेकिन अश्विन और बेयरस्टो की व्यक्तिगत यात्रा के लिए यह मैच बहुत महत्व रखता है। सोशल मीडिया पर भी इन दोनों को काफी बधाई संदेश मिल रहे हैं। धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम के सुंदर नजारों के बीच रविचंद्रन अश्विन और जॉनी बेयरस्टो ने 100वीं टेस्ट कैप हासिल कीं। दरअसल, भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पांचवां मुकाबला इन दोनों खिलाड़ियों के लिए बेहद खास है। भारतीय टीम पहले से ही इस सीरीज में 3–1 की अजेय बढ़त हासिल कर चुकी है और इस टेस्ट का कोई खास महत्व सीरीज के नजरिए से न हो, लेकिन अश्विन और बेयरस्टो की व्यक्तिगत यात्रा के लिए यह मैच बहुत महत्व रखता है। सोशल मीडिया पर भी इन दोनों को काफी बधाई संदेश मिल रहे हैं। सचिन तेंदुलकर से लेकर वीवीएस लक्ष्मण और अनिल कुंबले तक ने इन खिलाड़ियों को बधाई दी है।

दी नेक्स्ट पोस्ट
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला,
Tital code: UPHIN51019
बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com
नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।